

भारत सरकार
जल शक्ति मंत्रालय
जल संसाधन, नदी विकास और गंगा संरक्षण विभाग
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 3279
जिसका उत्तर 20 मार्च, 2025 को दिया जाना है।

.....

पानी की खपत

3279. श्री अनूप प्रधान वाल्मीकि:

क्या जल शक्ति मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

- (क) क्या सरकार इस बात से अवगत है कि भारत में कृषि क्षेत्र में जल की खपत सबसे अधिक है, कुल जल का 72 प्रतिशत उपयोग कृषि में होता है, उसके बाद नगर पालिका (16 प्रतिशत) और उद्योग (12 प्रतिशत) का स्थान आता है;
- (ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और
- (ग) कृषि एवं उद्योगों में जल की बर्बादी को कम करने के लिए ड्रिप सिंचाई, परिशुद्ध कृषि और अपशिष्ट जल पुनर्चक्रण जैसी आधुनिक प्रौद्योगिकियों को अपनाने हेतु किसानों को प्रोत्साहित करने के लिए सरकार द्वारा क्या कदम उठाए गए हैं/उठाए जाने का प्रस्ताव है?

उत्तर

जल शक्ति राज्य मंत्री

श्री राज भूषण चौधरी

(क) और (ख): जी हाँ, सरकार जानती है कि कि भारत में कृषि के लिए जल की सबसे अधिक खपत होती है। सरकार, भारत में जल के कुल उपयोग के बारे में आंकड़े नहीं रखती हैं। हालाँकि, राष्ट्रीय एकीकृत जल संसाधन विकास आयोग (1999) द्वारा किये गए आंकलन के अनुसार, भारत में जल की कुल मांग- कृषि के लिए (वर्ष 2025 के लिए) 72.4%, इसके बाद उद्योग के लिए 7.9% और घरेलू उपयोग के लिए 7.4% है।

(ग): भारत सरकार, कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय के माध्यम से राष्ट्रीय कृषि विकास योजना (आरकेवीवाई) के तहत प्रति बूंद अधिक फसल (पीडीएमसी) घटक का कार्यान्वयन करती है ताकि डीबीटी के माध्यम से किसानों द्वारा ड्रिप और स्प्रिंकलर के उपयोग को बढ़ावा दिया जा सके। जल शक्ति मंत्रालय, जल संसाधन, नदी विकास और गंगा संरक्षण विभाग, द्वारा कमांड क्षेत्र विकास और जल प्रबंधन आधुनिकीकरण (एम-सीएडीडब्ल्यूएम) योजना शुरू की गई है ताकि खेतों में प्रेशराइस्ड नहर का जल उपलब्ध कराया जा सके। यह किसानों को खेतों में सिंचाई के लिए ड्रिप और स्प्रिंकलर अपनाने के लिए भी प्रोत्साहित करेगा। यह योजना सभी जल स्रोतों के संयोजित और एकीकृत उपयोग को बढ़ावा देना भी प्रस्तावित करती है, जिसमें नहर का पानी, पानी के टैंकों, जल निकायों, भूजल, उपचारित और पुनःचक्रण किया गया अपशिष्ट जल शामिल है ताकि अन्य योजनाओं के समन्वय से इसका इष्टतम उपयोग किया जा सके।
